महिला उन्नयन प्रकोष्ठ

सत्र 2015–2020

प्रोफाइल

संरक्षक
श्रीमती लीला भलावी
अतिरिक्त संचालक
उच्च शिक्षा विभाग
जबलपुर संभाग

संयोजक
डॉ.स्मृति शुक्ल
डॉ.उषा कैली

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य
महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

विगत पाँच वर्षों में महिला उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा कराये गये कार्यक्रम एवं उनसे लाभान्वित छात्राओं की संख्या

(सत्र 2015 से 2020)

क्र.	कार्यक्रम का विषय एवं प्रकार	तिथि	लाभान्वित छात्राओं की संख्या
1	प्रेरक संवाद–अभितेज सिंह संधु विषय राष्ट्र प्रेम और युवा	26.08.2015	189 छात्राएँ
2.	लाइफ स्कलरजेकेशन फॉर टीन एजर्स प्री एंड पोस्टर डॉ. शिरीष जामदार वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ	8 मार्च 2016	240 छात्राएँ कामर्स एंड आर्ट्स फेकल्टी
3	महिला सशक्तिकरण श्रीमती अश्विनी परांजपे राजबाड़े	9 मार्च 2016	112 छात्राएँ
4	महिला स्वास्थ्य आदर्श खानपान एवं जीवन शैली –डॉ. शिरीष जामदार वरिष्ठ चिकित्सक	9 मार्च 2016	
5	साइबर क्राइम–सुश्री अभिलाषा खरे अधिवक्ता उच्च न्यायालय	9 मार्च 2016	लगभग 300 छात्राएँ अभिलाषा खरे से निरंतर संवाद एवं परेशानियों हेतु निःशुल्क विधिक सहायता हेतु जानकारी

6	आकाशवाणी हेतु युवा वाणी कार्यक्रम हेतु छात्राओं की तैयारी करायी, 8 छात्राओं का चयन	16.8.2016 छात्राओं द्वारा प्रश्न मंच कार्यक्रम संचालित किया गया। प्रत्येक छात्रा को आकाशवाणी द्वारा 300/– रूपये का चैक प्रदान किया गया।	8 छात्राएँ
7	महिलाओं के कानूनी अधिकार घरेलू हिंसा–सुश्री अभिलाषा खरे अधिवक्ता उच्च न्यायालय	17 नवंबर 2016–बी बोल्ड फॉर चेंज थीम	211 महिलाएँ 08 पुरूष
8	**परिचर्चा** नारी सशक्तीकरण	दिसम्बर 2016	85 छात्राएँ
9	**संवाद एवं अभिव्यक्त कार्यक्रम** महिला लेखिका डॉ. सुमन श्रीवास्तव, सुश्री अभिलाषा खरे छात्राओं ने अपने ड्रीम कॅरियर को विविध वेशभूषा में प्रस्तुत किया।	8 मार्च 2017	

10	जैव ऊर्जा पर व्याख्यान एवं डाक्यूमेंटरी फिल्म का प्रदर्शन N.G.O. NYCS के सहयोग से	11 अगस्त 2017	170 छात्राएँ
11	दिल की बात कार्यक्रम हेतु सुझाव आमंत्रित (बैठक)	सित. 2017	प्राध्यापक एवं छात्राएँ
12	नारी सुरक्षा कानूनी प्रावधान हेल्प लाइन नं. की जानकारी श्रीमती मेंहती मरावी D.S.P. श्रीमती रेखा प्रजापति T.I. श्रीमती सोनल शुक्ल S.I.	15 नब. 2017 पुलिस अधीक्षक महिला थाना, पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम	300 छात्राएँ
13	महिला सुरक्षा ऑडिट कार्यक्रम एन.जी.ओ.'डिवेट' भोपाल के डायरेक्टर श्री अमिताभ सिंह श्रीमती लीना सिंह	28.11.2017 डिवेट के डायरेक्टर	202 छात्राएँ
14	महिला सुरक्षा एवं स्वरक्षा संवाद कार्यक्रम– पुलिस अधीक्षक श्री वाय.एस.यादव, श्री सुनील नेमा, श्री मनीष पाण्डे एवं गिरीश बिल्लोरे	8 मार्च 2018	187 छात्राएँ
15	40 छात्राओं को वामा फैशन इंस्टीट्यूड भ्रमण, संचालिका श्रीमति शिखा पाण्डे द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई	8 मार्च 2018	40 छात्राएँ

16	संघर्ष करके सफलता प्राप्त करने वाली प्रेरक और प्रभावशील महिला से संवाद कार्यक्रम का नाम– एक मुलाकात श्रीमति शशि किरण दुबे जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा पूर्व न्यायाधीश उच्च न्यायालय जबलपुर	8 मार्च 2019	107 छात्राएँ
17	लोकमान्य तिलक जयंती का आयोजन, विशिष्ट अतिथि साहित्यकार विवेकरंजन श्रीवास्तव 'विनम्र' एवं मुख्य वक्ता प्रसिद्ध साहित्यकार अमरेन्द्र नारायण जी	03.08.2019	
18	संस्कारधानी के अमर शहीद गुलाब सिंह पर कार्यक्रम, मुख्य अतिथि श्रीमति विद्या कटियार श्री अमर सिंह कटियार	27.8.2019	100 छात्राएँ
19	**कैंसर जागरूकता कार्यक्रम** डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. सोनल पांडेय, डॉ. निशा, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. शारदा मिश्र, डॉ. सुमन यादव	08 सित.2019	250 छात्राएँ

20	साईबर क्राइम से कैसे बचे (लीडरशिप क्वालिटी) ''नेतृत्व क्षमता का विकास कैसे करें'' अंतर्राष्ट्रीय मोटीवेटर श्रीमति नीलू राउत एवं कैप्टन सुनील भारतद्वाज	31 जन. 2020	135 छात्राएँ
21	प्रश्नमंच कार्यक्रम विषय– ''राजभाषा और राष्ट्रभाषा हिन्दी'' हिन्दी के प्रति जागरूकता बढ़ाना। विद्यार्थियों को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से अवगत कराना ।	14 सित. 2020	20 छात्राओं ने प्रतिभागिता की एवं 46 बच्चे दर्शक के रूप में उपस्थित थे।
22	ऑनलाइन वर्कशाप "महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं महिला सुरक्षा	13 फरवरी 2021 रिसोर्स पर्सन डॉ. आकांक्षा चतुर्वेदी तरु कुटिया अध्यक्षा	145 देश विदेश से ऑनलाइन
23	8th March 2021 अन्तर्राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम रिसोर्स पर्सन - अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त युवा लेखिका श्रीमती तिथी दानी 75 छात्राओं ने सहभागिता की एवं 15 छात्राओं ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुती दी।		

डॉ. स्मृति शुक्ल
संयोजक
महिला उन्नयन समिति

डॉ० उषा कैली
महिला उन्नयन समिति

दिनांक 15.11.2017 को महाविद्यालय के महिला उन्नयन प्रकोष्ठ एवं म.प्र.के पुलिस विभाग द्वारा 'महिला सुरक्षा' पर एक संवाद कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में डी.एस.पी. श्रीमती मेहंती मरावी, श्रीमती रेखा प्रजापति टी. आई. क्राइम ब्रांच श्रीमती सोनल शुक्ला महिला थाना प्रभारी उपस्थित थी।

आत्मरक्षा के गुर महिला सशक्तिकरण एवं आत्मरक्षा विषय पर आयोजित कार्यशाला में उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों का जवाब देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया । अवेरयनेस प्रोग्राम में प्रश्न पूछने पर छात्राओं को जवाब के साथ सरप्राइज गिफ्ट भी दिए गए । वूशु खिलाड़ी पूर्वी और उनकी टीम ने छात्राओं को आत्मरक्षा का डेमो दिखाया । इस दौरान टी. आई.क्राइम ब्रांच ने साइबर क्राइम के बारे में बताते हुए महिलाओं के लिए संचालित पुलिस हेल्पलाईन 100 डायल कोड रेट, महिला हेल्प लाईन नं. 1090 चाइल्ड हेल्प लाईन नं. 1098 आदि की जानकारी के साथ वन स्टॉप सेंटर डिटेक्टर स्मार्ट कैमरा हिडन कैमरा आदि का पता कैसे लगाए आदि के बारे में बताया।

दिनांक 28.11.2017 को महाविद्यालय के महिला उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा एन.जी.ओ. 'डिवेट' भोपाल के सहयोग के छात्राओं की सुरक्षा के लिए एक संवाद कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव के द्वारा आयोजित किया गया । 'डिवेट' संस्था के निदेशक श्री अमिताभ सिंह ने छात्राओं से कहा कि सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएँ बनाई हैं, घरेलू हिंसा कानून है, हेल्पलाइन्स है, पर आप बतायें कि इन व्यवस्थाओं का रिस्पौंस कैसा है? छात्राओं ने कहा कि यात्रा के समय, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, घर, स्कूल कार्यस्थल व पी–एच.डी. आदि उच्च अध्ययन के समय अनेक अवांछित स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस संवाद कार्यक्रम में 200 छात्रायें उपस्थित थी ।

महाविद्यालय के महिला उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 24.01.2018 को महिला बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में

महिला सुरक्षा एवं स्वरक्षा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री वाय.एस.यादव एवं मदन महल थाना प्रभारी श्री सुनील नेमा एवं बाल कल्याण न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ प्राप्त श्री मनीष पाण्डे एवं गिरीश बिल्लोरे जी के आतिथ्य में प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्राओं और अतिथियों के बीच संवाद हुआ । महाविद्यालय के महिला उन्नयन प्रकोष्ठ एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 8 मार्च 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक संवाद कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में डॉ. पुष्पा पाण्डे वरिष्ठ चिकित्सक सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज श्रीमती अश्विनी परांजपे राजवाड़े नगर अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, सुश्री सुमन यादव अध्यक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तथा छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रितु शुक्ला, उपाध्यक्ष कु. दिव्या बघेल तथा महिला उन्नयन प्रकोष्ठ की डॉ. स्मृति शुक्ला, डॉ. उषा कैली तथा डॉ. श्रीमती नीना उपाध्याय उपस्थित थीं। कार्यक्रम का विषय हमारे संस्कार योग और ध्यान तथा आज का युवा वर्ग था ।

महाविद्यालय के महिला उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव की अनुमति से महाविद्यालय की 40 छात्राओं को वामा फैशन इंस्टीट्यूड का भ्रमण कराया गया । महाविद्यालय की ऐसी 40 छात्राओं का चयन किया गया जिन्हें सिलाई, कढ़ाई कला में रूचि थी । वामा इंस्टीट्यूड की संचालक श्रीमती शिखा पाण्डे ने छात्राओं को तीन घंटे तक भ्रमण कराने के उपरांत कटिंग, कढ़ाई आदि की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि कैसे थोड़ी सी जगह और एक सिलाई मशीन के जरिये आप महीने में 20,000/– हजार रूपये तक कमा सकती हैं । इस अवसर पर छात्र संघ अध्यक्ष कु. रितु शुक्ला, कु. दिव्या बघेल, कु. प्रवांशी अग्रवाल सहित महाविद्यालय की चालीस छात्राएँ उपस्थित थीं ।

दिनांक 28.11.2017

प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्राओं की सुरक्षा के लिए एक ऑडिट कार्यक्रम महाविद्यालय की महिला उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा हुआ । इस कार्यक्रम को महिला उन्नयन प्रकोष्ठ की डॉ. स्मृति शुक्ला एवं डॉ. उषा कैली के संयोजन में प्रारंभ हुआ । दिनांक 28.11.17 को महा. के (WDC) महिला उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा 'एन.जी.ओ. डिवेट' के सहयोग से छात्राओं की सुरक्षा के लिये एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया । डिवेट संस्था के निदेशक श्री अमिताभ सिंह ने 'सीता स्वयंवर' से अपनी बात प्रारंभ की । हमारा भारतीय समाज जैसे-जैसे विकसित हुआ वैसे-वैसे हम स्त्री की स्वतंत्रता स्त्री की समानता की बात करते चले । आज महिलाओं की सुरक्षा पर बहुत चिंता व्यक्त की जा रही है । सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिये काफी योजनाओं बनाई है। घरेलू हिंसा कानून बना है, हेल्प लाईन्स है, लेकिन व्यवस्था का रिस्पॉस कैसा है ? श्री अमिताभ ने छात्राओं ने प्रश्न पूछे कि आप कहाँ असुरक्षित हैं । छात्राओं ने कहा कि यात्रा के समय, पब्लिक ट्राँसपोर्ट, घर, स्कूल्स कार्य स्थल या पी.एच.डी. आदि करने में उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में कई बार अवांछित स्थितियाँ को सहन करना पड़ता है ।

प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज स्त्री को किससे सुरक्षा की आवश्यकता है। आज समाज को कैसे स्त्री को सुरक्षित रखा जाये । हमें अपने परिवार को ऐसे संस्कार देना है जिसमें सभी परिवारों में जिम्मेदार नागरिक पैदा हों संस्कारी बनें ।

छात्राओं ने कहा प्रभावशाली अपराधी अपराध करके छूट जाते हैं। पुलिस का व्यवहार, छेड़छाड़ की घटनाओं में महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है । इस संवाद कार्यक्रम में लगभग 200 छात्राएँ उपस्थित थीं । सभी ने इस संवाद में भागीदारी की । डॉ. वरूण वंसोडकर, डॉ. सुनीता मिर, डॉ. सुलेखा मिश्रा, डॉ. शिखा गुप्ता, संध्या चौबे सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन डॉ. उषा कैली एवं आभार डॉ. स्मृति शुक्ल ने किया ।

28.11.17 को ऑडिट कार्यक्रम महिला सुरक्षा

उपस्थित छात्राएँ

8 मार्च 17
अन्तरराष्ट्रीय
महिला दिवस पर
महा० की छात्रा की
प्रस्तुति

स्मृति शुक्ला

8 मार्च 17 उपस्थित छात्राएँ

स्मृति शुक्ला

7.1.2 a Solar energy.
b. wheeling to the grid

'महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा'

(म.प्र.के पुलिस विभाग के सहयोग से महिला उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा)

15.11.2017

दिनांक 15.11.17 को शास. मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य महिला महाविद्यालय के महिला उन्नयन प्रकोष्ठ एवं म.प्र. पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में 'महिला सशक्तिकरण' एवं 'आत्मरक्षा' विषय पर प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव मैडम की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महंती मरावी जिला अधीक्षक पुलिस (महिला प्रकोष्ठ) एवं विशिष्ट अतिथि रेखा प्रजापति टी. आई. क्राइम ब्रांच, सब इंस्पेक्टर महिला थाना सोनल शुक्ला जी थीं । इस कार्यक्रम में आत्मरक्षा के गुज सिखाने के लिये सारिका गुप्ता सचिव बुशु संघ उपस्थित थी । महिला उन्नयन प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. स्मृति शुक्ला ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिये जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । महिलाओं के लिये संचालित 100 नं. डायल, कोडरेड, महिला हेल्प नं. 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन नं. 1098, बस स्टॉप सेंटर तथा डिटेक्टर स्पाई कैमरा, हिडन कैमरा आदि का पता कैसे लगाये आदि जानकारी छात्राओं को दी जा रही है । पुलिस अधीक्षक महंती मरावी ने छात्राओं को पावर पाइंट के माध्यम से जानकारी दी । प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस आपकी सुरक्षा के लिये है । आप परिस्थितियों के अनुसार किसी भी प्रकार के खतरे को अनुभव करें तो अपना विवेक न खोंये और तत्काल पुलिस की सहायता लें । महिला उन्नयन प्रकोष्ठ की डॉ. उषा कैली ने पावर प्वाइंट के माध्यम से छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी।

city भास्कर

सिटी ACTIVI

कॉन्फिडेंस के साथ करें वार, दांत से काटो, बैग मारो और शोर मचाओ...

सिटी रिपोर्टर | जबलपुर

कभी भी मुसीबत आए तो उससे डरो नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सूझबूझ के साथ डटकर सामना करो। शोर मचाकर आस-पास के लोगों को एकत्रित करें और यदि कोई न हो तो सामने वाले पर पूरे जोश के साथ हमला करें, उसके बाद मौका मिलते ही वहां से भाग जाएं। ऐसे ही कुछ आत्मरक्षा के गुर मुख्य अतिथि जिला उप पुलिस अधीक्षक (महिला प्रकोष्ठ) श्रीमती मेहंदी मरावी ने शा. मानकुंवरबाई कला एवं वाणिज्य महिला महाविद्यालय के महिला उत्थान प्रकोष्ठ एवं म.प्र. पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण एवं आत्मरक्षा विषय पर आयोजित कार्यशाला में बताए। उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों का जवाब देते हुए उनका उत्साहवर्धन भी किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्राइम ब्रांच टीआई रेखा प्रजापति एवं सब इंस्पेक्टर महिला थाना सोनम शुक्ला शामिल थीं। अवेयरनेस प्रोग्राम में प्रश्न पूछने पर छात्राओं को जवाब के साथ सरप्राइज गिफ्ट भी दिए गए।

इन प्रश्नों के मिले जवाब

प्र. अगर ज्यादा लोग घेरें तो क्या करें?

जवाब- जब किसी लड़की को एक से ज्यादा लोग घेर लें, तो ऐसे में उनसे लड़ना ठीक नहीं होगा। उस वक्त तुरन्त हमला कर भागने की कोशिश करें और शोर मचाएं।

प्र. थाने में नहीं लिखी जाती शिकायत?

जवाब- जब कभी ऐसा होता है तो थाना प्रभारी के पास जाने की कोशिश करें और उस व्यक्ति की शिकायत भी करें, जो शिकायत दर्ज करने से मना कर रहा हो।

प्र. मोबाइल नहीं हुआ तो क्या करें?

जवाब- आजकल मोबाइल सबके पास होता है अगर नहीं हुआ तो रास्ते से और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र से होकर थाने तक पहुंचें और शिकायत जरूर दर्ज कराएं।

डेमो में बताये बचाव के ट्रिक

[illegible] तिवारी, पूजा एवं उनकी टीम ने छात्राओं को आत्मरक्षा का [illegible] बताया कि [illegible] अपने आपको किसी भी परिस्थिति में [illegible] हेल्पलाइन 100 डायल, कोतवाली, महिला हेल्प लाइन नं. 1090, [illegible] 1091 आदि की जानकारी [illegible] के बारे में बताया। [illegible] कि पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए है, [illegible] कार्यक्रम में महिला उत्थान प्रकोष्ठ [illegible] छात्राओं की उपस्थिति रही। (ब्यूरो-1)

स्टूडेंट्स ने खेले गेम्स और उठाया व्यंजनों का लुत्फ

जबलपुर। एक ओर जहां स्टूडेंट्स ने विभिन्न गेम्स खेले तो वहीं दूसरी ओर जायकेदार व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया। अवसर था अजय सत्य प्रकाश पब्लिक स्कूल, पनागर में बाल मेले के शुभारंभ का, जहां स्टूडेंट्स के साथ पैरेंट्स ने भी मेले का आनंद लिया। बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए

पानी बहता रहे तो स्व

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के स्थापना दिवस पर मछली

Acknowledgment

Safety of women, in our society, is increasingly becoming major social challenge. In last 7-8 years State has made many laws and has taken many steps to tackle the issue yet state alone is unable to stop the incidents of crime against women and children. It is apparent that State alone cannot handle this issue and this requires immediate social attention and response. It is the responsibility of the society to take responsibility and appropriate measures to change the increasing trend of crime against women and children.

Debate took the initiative to start a dialogue with women and other stakeholder on this issue to understand the various perspectives within society. ***Debate Lok Nyas*** is a combined effort of a group of individuals having similar bent of mind for bringing together the experiences and expertise evolved from the traditions to the present era through the process of participation so as to bring positive outcomes and learnings needed for enhancing the process of community development and empowerment. Debate is registered as Public Trust under Madhya Pradesh Public Trust Act 1961 and working since 2002.

The first dialogue was organised in Mankunwar Collage of Arts and Commerce, Jabalpur with the active support of Women Development Cell. Without the help of the cell it would not have been possible to have such a wonderful dialogue and discussion that provided many insights on this issue.

We are thankful to Dr. Geeta Srivastava, Principal, Mankunwar Collage of Arts and Commerce, Jabalpur for her support for this important event. She was personally present throughout the dialogue and provided many valuable inputs. Dr. Smriti Shukl, in-charge of Women Development Cell took lead in organising the event and made all the arrangements with her colleagues. We are grateful to her and the entire team of Women Development Cell for organising such a live and open dialogue and also creating an enabling environment where all the participants expressed their view freely.

We are also thankful to Dr. Deeapk Srivastav, Faculty member for his efforts to put us in touch with the college and Women Development Cell and also facilitating the whole process in close collaboration with the cell and college administration.

We hope that this dialogue will start the process of discussion and dialogue in Jabalpur to identify the core issues linked with this subject. We expect that Women Development Cell will be in the centre of all such dialogues and will be able to develop system and mechanisms, in collaboration with administration and society, to effectively address and curb incidents related to crime against women.

Amitabh Kumar Singh
Director
Leena Singh
Member Working Committee

Role of Academic Institution In Making Cities Safe: A Dialogue With Girls And Teachers

1. Background

Safety of women and children, in our societies, is becoming a challenge in India. The pattern of growth and development has provided more opportunities for women and children in terms of opening of new job opportunity, increased access to education, independence to travel etc. This change has also led to a situation where women travel alone to various places compared to travel under the protection of family members.

Census data, for Madhya Pradesh, shows that number of women is continuously less than 950 women per thousand men. In certain districts of Madhya Pradesh the sex ration is less than 850 women per thousand men. This highlights the fact about the status of women in the society. Girl Child is not welcome in many parts of the state is clear from the data on sex ratio.

There have been incidents where life and dignity of women and children have been under threat due to various incidents in the state. Recently number and frequency of such incidents have increased manifolds which have forced the society and government both to think and evolve a powerful strategy for ensuring the safety of women and child. There is a strong realisation within government that alone it cannot tackle the problem and it requires greater engagement of government with society.

Government of Madhya Pradesh is in the process of designing a programme called safe city for women and children. The programme will try to pilot various approaches and strategies in the 6 selected cities of Madhya Pradesh. These cities are Gwalior, Indore, Bhopal, Jabalpur, Panna and Chhatarpur. The pilot will try identifying the issued related to the threat to the safety of women and Children.

Government is working out detailed strategy for designing the programme and implementing the same in selected 6 towns or cities of the state in first phase. The learnings of the programme will assist the state finalise the policy and programmes for intervention across state.

Debate is a not-for profit organisation working in the state of Madhya Pradesh since 2002. Debate focuses on empowering weaker section of society including women and children. As a responsible social organisation Debate took the initiatives to map the concern of women vis-à-vis safety and security in major urban towns of the state. The beginning was made in Jabalpur in collaboration of Women Studies Cell of Mankunwar Arts and Commerce Collage Jabalpur.

Women Development Cell, in collaboration with Debate, Organised a one day meeting of students and teachers for understanding following:

- Nature of challenges to the safety of women in town
- Types of incidents
- Who are involved in posing challenge to the safety of women;
- Most common unsafe places in town
- Response of competent authorities vis-à-vis reported incidents;

2. Objective of the Meeting

The basic objective of the meeting was to –

- Identify the nature of threat against safety of women;
- Understand the perception of girl student and teachers towards the issue of safety and protection;
- Identify challenges towards ensuring safety and protection;
- Understand the concern of girls and women towards the response of authorities in cases related to safety and protection of girls and women
- Decide future course of action

3. The Dialogue

The dialogue started with large gathering of girl students and teachers. The dialogue started with recollecting the facts about status of women in ancient India. It was observed that women were more free and equal in ancient Indian society. How and when the status changed from women equal to men to now subordinate to men need to be explored and understood in proper perspective.

The second session focussed on understanding the current status of safety and protection of girls and women in Jabalpur town. The group recollected many such incidents and this sharing helped in listing out following issues:

- Types of incidents
- Unsafe places
- People who pose threat to safety
- Various types of fears that exist within girls and women vis-à-vis safety and protection;

The third session focussed on identifying various platforms and mechanisms available to address the issues and concerns related to the safety of girls and women. This session explored the accountability and transparency of system and institutions involved in manging the system. The last session focussed on way ahead. Brief of each session is presented below in the report.

4. Types of Incidents

Students and teachers shared many incidents related to safety and protection. The incidents also brought out the feelings of victims after all such incidents. The types of incidents shared are listed below:

- Misbehaviour with Students and Teacher;
- Eve teasing;
- Tendency to touch physically;
- Harassment
- Violence and work place or even within home

4.1. Unsafe places

The group identified following unsafe places:

- Rout between collage and home;
- Public Transport especially city bus
- Hospital
- Coaching centres
- AC coaches in train (people drink in AC coaches without any fear)
- Market;

- Malls
- Sometimes Home
- Relatives house

Many participants mentioned that home itself is not very safe. They were very concerned about their safety at home and had no idea what to do in such circumstances. Combined with home most of the participants mentioned that their safety is more vulnerable when they go to the house of any relative. The visit to the relatives place is mainly during functions such as marriage, death, birthdays etc. Parents get engaged in work or with other relatives and they do not give time to us or believe that relative's house is as safe as their own.

4.2. People who pose threat to safety

Group listed following persons:

- Coach attendant of train;
- Bus Driver and Conductor;
- Rickshaw Puller;
- Boys especially those who move on motorcycle or four wheelers
- Doctor and Ward boy in Hospital;
- Lift Operator;
- Male servants

4.3. Fears

Girls and women listed many fears as stumbling block in taking any action against crime or incidents. These are:

- Acid Attack
- Physical attack;
- Physical abuse
- If parents or guardian will come to know about any incident then they will stop supporting for studies;
- Earning bad name;
- Fear of getting isolated

5. Institutional System to get Support and Protection

The State has a system and a framework to ensure protection of women from threats of security, physical abuse, to protect their dignity and to provide them equal opportunity. The views of the group on these are given in following points.

5.1. Formal

- College administration;
- Police;
- District administration

5.2. Informal

- Family;
- Friends
- Relatives and other known people;

6. Difficulty in getting support

The group acknowledged that there are various issues involved in getting support in cases related to safety and protection. The group identified few key areas that are:

- Low level of awareness about legal system
- Low information about various platform available for women;
- The attitude of police
- Fear in the mind of girls and women;

- Criminals are not properly punished and when they come out from police custody or jail they threaten. One such incident sets example in the mind of girls and women not to approach police or authorities;

7. Future Course of Action

The group realised that a lot can be done on various levels. Beginning can be made at the level of

- family,
- classroom and college
- student union
- friend circle
- police and
- district administration

8. Steps forward

(i) it is important to realise that safety and protection of girls and women is an important area for society as a whole. The constitutional promise of dignity of individual and freedom of life and expression cannot be achieved if women are not safe and are unable to lead a fearless life. The women must realise that this is an area of importance and they need to recognise it;

(ii) the students and teacher need to interact frequently on this issue may be at class level weekly. This will help girls to know about various steps taken by the college administration towards ensuring safety and security of the girls and women. This will also provide an opportunity, to girls and women, to access and use such forums;

(iii) student union need to play proactive role in bringing
   a. students and college administration closer
   b. create an environment of trust and mutual faith between teachers and students
   c. police and college administration closer for ensuring quick and prompt action in such cases

(iv) Dialogue with families is important to help them understand that this is a serious problem and families need to change their attitude and approach towards such incidents

(v) It was decided that the college will work with Debate team in conduct the safety audit in Jabalpur town to map the status of safety and security

आज दिनांक 31.01.2020 को महाविद्यालय की महिला उन्नयन प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. रश्मि चौबे मैडम की अध्यक्षता में ''साइबर क्राइम और साइबर सुरक्षा'' एवं 'महिला नेतृत्व' पर एक संवाद कार्यक्रम 12.00 बजे आयोजित किया गया। महिला उन्ननयन प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. स्मृति शुक्ल ने कहा कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु यह प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। महिलाओं के हित में बने कानूनों से छात्राओं को अवगत कराना, उनके हित में बनी शासन की योजनाओं की जानकारी देना, छात्राओं में आत्मविश्वास जाग्रत करना, सफल महिलाओं से संवाद कार्यक्रम कराना आदि कार्य इस प्रकोष्ठ के माध्यम से किये जाते हैं। प्रकोष्ठ की डॉ. उषा कैली ने कहा कि इस प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं के विचारों, अनुभवों और संस्मरणों का प्रकाशन भी किया जाता है। मुख्यवक्ता कैप्टन भारद्वाज ने कहा कि छात्राओं का बहुमुखी विकास होना आवश्यक है। इसके लिये हमें अपने विषय ज्ञान को गहराई से समझना है तथा साथ ही साथ Soft Skill भी विकसित करें। जैसे कम्यूनिकेशन स्किल्स स्ट्रेस मैनेजमेंट, समय प्रबंधन, निर्णय क्षमता का विकास आदि सकारात्मक सोच, दृढ़ निश्चय और लगन भी जरूरी है। इन सभी के मिश्रण से आपका व्यक्तित्व विकास होता है।

विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध मोटीवेटर श्रीमती नीतू राउत ने कहा कि हमारे युवा आजकल सोशल मीडिया में ओवर एक्सपोजर करने लगते हैं इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ता है, इसका कारण यह है कि वे अपने उपर कम यकीन करते हैं और अपनी सारी गतिविधियाँ सोशल मीडिया पर एक्सपोज करते हैं। वे अपनी प्रसिद्धि का मानदण्ड सोशल मीडिया के लास को ही आंकने लगते हैं जो उनके व्यक्तित्व विकास में बाधक होता है। अपनी सेल्फी इमेज के प्रति हम ज्यादा सतर्क होते ही रहे हैं।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रश्मि चौबे मैडम ने कहा कि 'महिला उन्नयन प्रकोष्ठ' द्वारा आज बहुत ही प्रासंगिक विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। आज के इस युग में सोशल मीडिया जितना उपयोगी है यदि हम सतर्क न रहें तो उतना ही हमारी सुरक्षा में सेंध भी लगा रहा है। आप सतर्क रहें, सेल्फी इमेज से बाहर आयें और अपने अंदर सकारात्मक सोच पैदा करें। Skill विकसित करें। इस कार्यक्रम में छात्रा कु. अंजलि सोनी, भावना तथा अन्य छात्राओं ने प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों ने उत्तर दिये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा लगभग 200 छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुधा मेहता, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. नीना उपाध्याय, डॉ. प्रज्ञा अनुरागी, डॉ. नुपुर निखिल देशकर, डॉ. सपना चौहान, डॉ. संध्या चौबे, डॉ. अंजना धुर्वे, डॉ. सुषमा श्रीवास्तव आदि का योगदान रहा। संचालन डॉ. स्मृति शुक्ल और आभार डॉ. उषा कैली ने व्यक्त किया।

डॉ. स्मृति शुक्ल
संयोजक
डॉ. उषा कैली
महिला उन्नयन प्रकोष्ठ